SHRIMATI WANSUK SYIEM (Meghalaya): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI M. SHANMUGAM : Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA : Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

श्री सभापति: श्री राम कुमार वर्मा, डा. किरोड़ी लाल मीणा।

Death of birds due to pollution from refinery of the Sambhar Salts Limited, Rajasthan

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): माननीय सभापति महोदय, आपने बहुत ही चिंताजनक और संवेदनशील मामला, जो पक्षियों से संबंधित है, उस पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करते हुए आपके माध्यम से सदन और सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि मीडिया के माध्यम से और समाचार पत्रों के माध्यम से सभी को जानकारी है कि राजस्थान में जयपुर जिले में साम्भर साल्ट लेक के नाम से एक झील, जो न केवल भारत में, बल्कि विश्व में जानी जाने वाली झील है उस के आसपास के एरिया में हज़ारों की तादाद में पक्षी देश-विदेश से वहां पर प्रवास के लिए आते हैं और बहुत-सी प्रजातियों के पक्षी, विभिन्न प्रजातियों के दुर्लभ पक्षी भी आते हैं। पिछले 20 दिन से वहां पर हज़ारों की तादाद में करीब 25 हज़ार पक्षी मर चुके हैं, उसके बावजूद वहां पर कोई समाधान और कार्रवाई नहीं हो रही है। उनमें ऐसे पक्षी भी हैं, जो दुर्लभ हैं और राज्य सरकार के स्तर पर अभी तक कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई है। न्यायपालिका ने भी इसका संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए हैं। यह दुर्भाग्य और चिंता की बात है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इसका कोई समाधान निकाले और उचित कार्रवाई करे और आने वाले समय में भी कहीं न कहीं दूसरे इलाकों में यदि ऐसी घटनाएं होती हैं, तो आप उनका भी समाधान करें।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. किरोड़ी लाल मीणा (राजस्थान): सभापति महोदय, यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लेक है, जिसमें ढाई से तीन लाख पक्षी आते हैं। इसमें महत्वपूर्ण यह है कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने राजस्थान की झील को अंतर्राष्ट्रीय महत्व की रामसर झील घोषित किया है। इसलिए हम चाहेंगे कि केंद्र इसमें दखल दे और साम्भर साल्ट लिमिटेड ने 'रामसर' साइट कन्वेंशन संधि का उल्लंघन किया है, उसमें अवैध निर्माण कर दिए और करीबन डेढ़ सौ अवैध इकाइयां चल रही हैं।

महोदय, साम्भर साल्ट लिमिटेड द्वारा वेटलैंड रूल्स 2010 को भी धता बताकर वहां पर ढेर सारे कुएं खोद दिए हैं, गहरी खाइयां खोद दी हैं। महोदय, यहां पर करीब 25-30 हज़ार विदेशी पक्षी आते हैं, ऊंची उड़ान वाले और करीब 25-30 प्रजाति के पक्षी यहां पर हैं, जिसमें

[डा. किरोड़ी लाल मीणा]

नॉर्दन शावलर, Kentish plover, रफ, Common coot, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, मंगोलिया के Demoiselle crane और ईगल आऊल तक यहां आते हैं। सभापति महोदय, मैं सरकार से...**(व्यवधान)**....

श्री सभापति: किरोड़ी लाल जी, आप कन्क्लूड कीजिए।

डा. किरोड़ी लाल मीणा: सर, मेरा पर्यावरण मंत्रालय से निवेदन है कि वे इसमें दखल दें और एक विशेष जांच करवाई जाए जिससे इस पर कुछ न कुछ कार्रवाई हो सके और आगे ऐसी पुनरावृत्ति न हो।

श्री नारायण लाल पंचारिया (राजस्थान): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री राम नारायण डूडी (राजस्थान): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कान्ता कर्दम : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

OBSERVATIONS BY THE CHAIRS

श्री सभापति: शांता जी, मैं कल आपको बोलने के लिए मौका दूंगा। ज़ीरो ऑवर के समाप्त होने से पहले मैं एक ऑब्जर्वेशन करना चाहता हूं और इसके बारे में सदन को बताना चाहता हूं। कुछ लोग अपने इश्यूज़ को लेकर चेयरमैन के फैसला देने के बाद भी हंगामा करना शुरू कर देते हैं और उसी कारण से हाउस को adjourn करना पड़ता है, जिसके कारण दूसरे मेम्बर्स को नुकसान हो रहा है। उनको जो अवसर मिलना चाहिए, वह नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण लोग बाद में आकर मुझसे शिकायत करते हैं। एक बार हाउस adjourn करने के बाद लोगों की ऐसी आदत बन गई है कि आज नहीं हो पाया, तो automatically कल जरूर होगा। मैं आपको बताना चाहता हूं कि Monday के बाद कोई भी इश्यू, जो state था, वह नहीं हो पाया, तो वह अगले दिन बिना विशेष अनुमति के नहीं होगा। It is clear. I think you understand. I would like to translate it into English also. Some people have developed a habit of disturbing the House by addressing their point of view and insisting it beyond a point and then stalling the House for a variety of reasons. And, then, the Chairman adjourns the House because I do not want the ugly scenes to be seen by the people of this august House. That is my weakness or my strength or my conviction. Then, Members think that if the issues are not taken up today, these would be taken up automatically tomorrow. Here after, except on a very special permission, like, I have given to Shantaji just now — because only three minutes are left and I have to make this observation today itself — these would not be repeated again. This is one.